

...दोस्तों इस **Horror Story In Hindi Real Story** को लास्ट तक जरूर पढ़ें क्योंकि यह एक बहुत इंटरस्टिंग और सच्ची डरावनी हॉरर स्टोरी है। अइ होप की आपको यह **True Real Story Hindi Horror Story 2021** जरूर पसंद आएगा



Vah Kya Tha Horror Story In Hindi Real

Horror Story In Hindi Real Story: Vah Kya Tha **हॉरर स्टोरी इन हिंदी रियल स्टोरी: वह क्या था**

यह घटना तब की है जब मैं फ्रीलांस काम करता था। आधी रात बीत चुकी थी, और मैं अपने घर से डेस्कटॉप पर काम कर रहा था, अगले दिन के डेडलाइन को पूरा करने की कोशिश कर रहा था। हमारे पास लियो नाम का एक काला भारतीय नस्ल का कुत्ता था, जिसकी अजीब आदत थी कि वह रात के समय में अपना काम (पॉटी, सुसु) करने के लिए बाहर जाना चाहता था। ऐसा ही एक रात जब मैं काम कर रहा था तब, उसने दरवाजे के सामने खड़े होकर मेरी ओर देखने लगा जैसे वह बोल रहा हो की चलो ब्रो अपना टाइम आ गया, चलो बाहर चलें!"

मेरे थके हुए दिमाग को कुछ ताजी हवा की जरूरत थी और मेरी अकड़ी पीठ को अच्छी तरह से चलने की जरूरत थी, इसलिए मैंने उसका पट्टा उठाया और निकल पड़ा।

लियो को हाल ही में अपना काम करने के लिए अपना नया पसंदीदा जगह मिला था जो बहुत ही अजीब जगह पर था। वहां जाने के लिए मेरी बिल्डिंग से बायीं ओर चलना था, दो और इमारतों को पार करना था और फिर मुख्य सड़क से बायीं ओर जाना था जो की एक ऐसे रास्ते की तरफ ले जाता था जो 20-25 मीटर आगे जाता था और अचानक समाप्त हो जाता था। रास्ते का दोनों किनारा जंगली झाड़ियों से भरा हुआ था और वह जगह मूल रूप से एक ऐसा स्थान जहाँ लोग अपना कबाड़ फेंकते थे।

वहां कुछ पुरानी कारें थी जिनके अंदर झाड़ियां उग चुकी थी और उनकी डालियाँ टूटी खिड़कियों से झाँक रही थी। इस रास्ते के खतम होते ही एक घना जंगल था, जिसमें शायद ही कोई जाता होगा। लेकिन इस रास्ते के समाप्त होने से ठीक पहले, इसके बाईं ओर एक पुराना जीर्ण-शीर्ण हालत में एक मंजिला ढांचा खड़ा था, जिसके पीछे एक विशाल सूखा पीपल का पेड़ (फिचस धर्मियोसा) था, जो की अँधेरे में इसके ऊपर एक हुड वाले कोबरा की तरह खड़ा था। पहले यह एक पुराना सरकारी कार्यालय हुआ करता था लेकिन किसी कारणवश इसे खाली कर दिया गया।

आधी रात होने के कारण, गली सुनसान थी, उस रात गली के कुत्तों का गिरोह भी नहीं था। सड़क पर बहुत दूरी पर लैम्पपोस्ट था, जिससे बस उसी जगह पीली पीली रोशनी होती थी, जिससे सड़क पर कहीं कहीं रौशनी थी।

जैसे ही मैं लेफ्ट को इस रास्ते में आया, लियो मुझे तेजी से खींचने लगा, मैं डार्क ज़ोन में प्रवेश कर गया। मेरा क्षेत्र होने के नाते, अंधेरा मुझे इतना परेशान करने वाला नहीं था और स्वभाव से भी मैं अंधेरे में शांत ही रहता हूँ मुझे वैसा डर या घबराहट नहीं होता।

लेकिन मैं आसपास को लेकर थोड़ा जागरूक था, कहीं कोई साँप या जानवर जंगले से इधर तो नहीं आ रहा होगा। लियो अपने स्थान पर पहुंच गया था और हलके जंगली घास में घूम घूम कर हर तरह की गंध का पता लगाने की कोशिश कर रहा था। वह सब कुछ कर रहा था लेकिन वह जो करने आया था बस उसे नहीं कर रहा था, और यह देख कर मुझे बहुत इरीटेशन हो रहा था। मैं हाथ में एक लंबे पट्टा लिए हुए ऊब गया था, और अपने स्वयं के विचारों में खो गया था, मैं यही सोच रहा था कि जब मैं वापस पहुंचूँ तो अपने काम को कैसे अंजाम दूँ, मैंने उसे शांति से अपना काम करने के लिए छोड़ दिया।

◀◀◀◀ अभी आप पढ़ रहे हैं हॉरर स्टोरी इन हिंदी रियल स्टोरी: वह क्या था ▶▶▶▶

कुछ मिनट बीत गए होंगे, और हम अभी भी उसी स्थान पर थे और अचानक लियो को कुछ ऐसा लगा, जिससे वह वास्तव में सतर्क हो गया और वह हल्के गुराहट के साथ पुराना जीर्ण-शीर्ण हालत में पड़ा ढांचा की तरफ देखना शुरू कर दिया, न जाने इतने अंधेरे में वह क्या देख रहा था। मैंने पूछा "लियो, वहां क्या है?" और उसने बस एक थोड़ा तेज गुर्रा कर जवाब दिया। अपने दाहिने पैर को एक जगह पर जमाये हुए, आंखें और कान को सीधे केंद्रित किये हुए वह उधर ही देखे जा रहा था और फिर वह कुछ कदम पीछे हट गया। मुझे ऐसा लगा कि उसने आस-पास किसी जानवर को महसूस किया होगा, इसलिए मैंने धीरे से पट्टा हिलाया ताकि मैं उसका ध्यान भटका सकूँ और अपना काम करने के लिए मैं घर वापस जाऊँ। लेकिन लियो हिल नहीं रहा था। वह इमारत को देखते हुए बस वहीं जम सा गया था। सहज रूप से मैं वहीं उसके बगल में बैठ गया और उसके आँखों के समान्तर अपने आँखों को लाकर वहीं देखने लगा जहाँ लियो देख रहा था।

जैसे-जैसे मैंने ध्यान केंद्रित किया और अपनी आंखों को सामने के अंधेरे में समायोजित करने की कोशिश की, चीजें थोड़ी साफ दिखने लगीं। अंधेरा था लेकिन जैसे-जैसे मेरी आंखें अधिक से अधिक समायोजित होती गईं, मैं आसानी से सामने की संरचना को समझ सकता था जो लगभग 30 फीट की थी। सामने की सीढ़ियों की 4 स्टेप्स जो लगभग 15-20 फीट चौड़े खुले गलियारे की ओर ले जाती हैं। और मैं जानता था कि यह गलियारा दोनों तरफ बने ओर दो दरवाजों की ओर ले जाता है। शीर्ष पर सीढ़ियों के किनारे दो खंभे और फिर एक बहुत ही नीची दीवार जो दोनों ओर के दो दरवाजों तक फैली हुई थी।

पहले कुछ क्षणों में मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा, लेकिन फिर मैंने गलियारे से कुछ हिलता हुआ देखा। एक अंधेरे छायादार आकृति, धीमी गति से आराम-आराम से चल रही थी। वह छायादार आकृति मुझे स्त्री की लग रही थी, और ऐसा लग रहा था कि उसके बाल लंबे थे और खुले हुए थे। मुझे पूरा यकीन था कि उस जीर्ण-शीर्ण ढांचे में कोई आता जाता नहीं था और ना ही वहां कोई रहता था। लेकिन ऐसा लग रहा था कि अब वहां कोई रह रहा था।

मैं और लियो दोनों अब तक इस चलती-फिरती छाया पर स्थिर हो चुके थे। मेरा दिमाग यह विश्वास करना चाहता था कि यह एक वास्तविक मांस और हड्डियों वाला व्यक्ति था, लेकिन मैंने कभी अपने कुत्ते को इस तरह व्यवहार करते नहीं देखा था। परछाई गलियारे में ऊपर-नीचे हो रही थी, लेकिन जो अजीब लग रहा था, वह यह थी कि उसकी चाल मानव चाल की तरह नहीं बल्कि ऐसा लग रहा था कि वह एक ग्लाइडिंग मूवमेंट था। मैंने अपनी आँखों को फिर से एडजस्ट किया और जो मैं देख रहा था उसे और अधिक समझने की कोशिश कर रहा था। लियो अब और अधिक आक्रामक रुख में था... अपने पिछले पैरों को जमीन पर जोर-जोर से ब्रश कर रहा था, लेकिन अब उसका धीरे-धीरे गुरा भी बंद हो गया था।

फिर कुछ ही सेकंड में वह छाया गायब हो गया, जब वह सामने के दो खंभों को पार कर रही थी। और अगले ही क्षण में वह फिर से बायें से दायें चला गया, तब ऐसा लगा जैसे उसकी निगाह हमारी ओर हो गई और अगले ही पल उस छाया का आकार बिखरने लगा, वह पिलर के पास गया, लेकिन दूसरी तरफ छाया नहीं आया। और बस उसी सेकंड में बाएं पिलर से एक काली बिल्ली जैसी आकृति दिखाई दी और प्रवेश द्वार से नीचे कूद गई और दाईं ओर सामने वाली झाड़ी में गायब हो गई। ऐसा लग रहा था कि यह हमारी ओर बढ़ रहा है। लेकिन यह इलाका झाड़ियों और घास से भरा पड़ा था और वहां वेट करने के सिवा कोई और तरीका नहीं था यह जानने के लिए कि वह छाया हमारी तरफ आ रहा की नहीं।

इस सिचुएशन तक मैं एक जिज्ञासु मोड में था, लेकिन अब एक अन्दर से कंपकंपी सी होने लगी थी और मेरा माइंड इस जगह से हटने के लिए चिल्ला रही थी। मैं उठा और अपने कुत्ते को जोर से खींचा, सचमुच उसे उस रास्ते से खींच लिया और किसी तरह दौड़ते हुए वापस मुख्य सड़क पर पहुंचा और अपनी सांस को नार्मल करने के लिए एक स्ट्रीटलैम्प के नीचे खड़ा हो गया। पीछे मुड़कर देखा, तो मैं केवल अनंत अंधकार और केवल भयानक सन्नाटा देख सकता था। मैं फिर से पीछे मुड़कर नहीं देखते हुए घर वापस आ गया।

इससे पहले कुछ भी अप्रिय नहीं हुआ था। मेरे दिमाग यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि मेरी आँखों ने अभी-अभी क्या देखा था। अगले ही सुबह मैं वहां गया और दिन के दौरान उत्सुकता से उस जगह की जाँच की और यहाँ अभी भी सब बंद लग रहा था और हमेशा की तरह खाली था। सूखे पत्तों, मकड़ी की जालियों और अछूती धूल की सिवा वहां कुछ भी नहीं था।

वह क्या हो सकता है, उसकी संभावनाएं:

1. यह सिर्फ अंधेरे छाया का खेल था और रात अधिक होने के कारण मेरी आँखें चाल खेल रही थीं और मस्तिष्क गलत डेटा के साथ अजीब चीजों की कल्पना कर रहा था।

2. शायद उस परिसर में कोई था, जिसने गलियारे में टहलने के बारे में सोचा और फिर सोने के लिए पिलर के पास लेट गया और पास में सो रही एक बिल्ली आवाज के कारण सीढ़ियों से कूद कर भाग रही थी।

3. वह जो भी था इस दुनिया से नहीं था।

आपके दृष्टिकोण में वह क्या हो सकता है, हमारे साथ शेयर करना न भूलें, पढ़ने के लिए धन्यवाद।

हमारा भूताहा घर | Real Bhootaha Ghar Hindi Horror story 2021 को पढ़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें



..... Horror Story In Hindi Real Story: Vah Kya Tha

[Team Hindi Horror Stories](#)

दोस्तों आपको ये Horror Story In Hindi Real Story 2021: **वह क्या था** कैसा लगा ये कमेंट में बताये | यदि आप इस तरह के **Famous Indian Horror Stories in Hindi | Indian Horror Tales | Hindi Horror Kahaniya** या **Bhoot story in Hindi** का animated विडियो देखना चाहते हैं, तो निचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें | यदि आप ऐसे ही और इंडियन घोस्ट स्टोरीज या **Story in Hindi Horror** देखना चाहते हैं तो - **Dating Ghosts (click here)** youtube channel को subscribe कर लें ताकि मैं आपके लिए और भी ऐसे ही Scary Stories in Hindi लेकर आ सकूँ।



Please Subscribe Dating Ghost Channel Through This Link For More Scary & Horror Story [in Hindi](#)

दोस्तों आपके पास भी कोई **Horror Story In Hindi Real Story, Horror Story Real In Hindi, Ghost Stories in Hindi, रियल घोस्ट स्टोरीज इन इंडिया इन हिंदी | रीडिंग हॉरर स्टोरी | रियल हॉरर स्टोरी हिंदी** है तो हमारे साथ शेयर करें और ऐसे ही रोचक, **Hindi Horror Stories** पढ़ने के लिए सब्सक्राइब करें हमारे **Newsletter section** को, धन्यवाद ।